सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प० स०- 177/2025

नकल- रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र
संशोधित विधान-पत्र
कार्यकारिणी सूची
निर्णय

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

पांजियन तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेन्ट खादी ग्रामोद्योग सधन विकास समिति के सामने बस्सी जयपुर धारा-17 अन्तर्गत RPT Act 1959

1. क्रमांक नम्बर 311
2. तारीख दरख्वास्त 5/9/25
3. तारीख तैयार नकल 8/9/25
4. तारीख नकल दी जाने की 10/9/25
5. तादादी फीस 14/-
6. वजह लेने नकल [illegible]
7. हस्ताक्षर नकल तैयार कर्ता [illegible]

नकल संलग्न है।

रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

-3

राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण–पत्र

क्रमांक : 512/जय/1994–95

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

यह प्रमाणित किया जाता है कि महारानी लक्ष्मीबाई बालिका शिक्षा समिति, बस्सी, जिला जयपुर, राजस्थान का पंजीयन राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (राजस्थान अधिनियम संख्या 28, 1958) के अन्तर्गत दिनांक 28 फरवरी, 1995 को किया गया था।

इस संस्थान का नाम परिवर्तित कर तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोसियल डवलपमेंट सोसायटी, बस्सी जयपुर (राजस्थान) कर दिया गया था। यह परिवर्तन राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 12 के प्रावधानान्तर्गत किया गया था।

अब इस संस्था का नाम परिवर्तित कर तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेन्ट, बस्सी जयपुर (राजस्थान) करं दिया गया है। यह परिवर्तन राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 12 के प्रावधानान्तर्गत किया गया है।

यह प्रमाण पत्र मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुहर से दिनांक 07 सितम्बर 2017 को जयपुर में जारी किया गया है।

रजिस्ट्रार संस्थाएं जयपुर

सचिव
तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल
एण्ड सोशियल डवलपमेंट
बस्सी जयपुर–303301

रजिस्ट्रार संस्थाएं
(आर. के. मीना)
जयपुर
रजिस्ट्रार संस्थाएँ (जयपुर)

प्रमाणित प्रतिलिपि

रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

परि-3
2
22/7/25

तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट

संशोधित - संघ विधान–पत्र

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

1 संस्था का नाम : **तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट** रहेगा

2 संस्था का पंजीकृत कार्यालय तथा कार्यक्षेत्र : इस संस्था का पंजीकृत कार्यालय – खादी ग्रामोद्योग सघन विकास समिति के सामने ग्राम पो. बस्सी, जिला जयपुर है तथा इसका कार्यक्षेत्र संपूर्ण राजस्थान क्षेत्र तक सीमित होगा।

3 संस्था के उद्देश्य : इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:–

1 संस्था विशेष रूप से पिछड़े ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा में "अवसर की समानता के सिद्धांत के आधार पर" प्रत्येक को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विद्यालय, महाविद्यालय, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं व अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों, आवासीय एवं विशेष विद्यालय की स्थापना एवं प्रबन्ध करना

2 विद्यार्थियों के कल्याण एवं ज्ञानवर्धन हेतु पुस्तकालयों, विज्ञान, कक्षो, खेल **परिसरों**, छात्रावासों की स्थापना एवं सहशैक्षिक, स्वास्थ्य, एवं पोषाहार कार्यक्रमों जैसे विद्यार्थी उन्मुखी कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करना

प्रमाणित–प्रतिलिपि
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

अध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

3 अनुसूचित जाति, जनजाति, दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों, अनाथों, महिलाओं के अधिकारों व हितों की रक्षा कर इन पर होने वाले अत्याचारों व उत्पीड़न की रोकथाम का हर संभव प्रयास कर उन्हें राजकीय विभागों अभिकरणों, संगठनों के सहयोग से व्यवसायिक व प्रशासनिक सेवा पूर्व प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता दिलवाना एवं इन वर्गों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास करना.

4 शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु व्यवसायिक व तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना कर सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.), ई कामर्स, कम्प्यूटर, मेंहदी, पेन्टिंग, ड्रेस एवं टेक्सटाइल डिजाइनिंग, सॉफ्ट टाइज, कृषि पशुपालन, फल सब्जी, परिरक्षण, बिजली व घरेलू उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव, स्वास्थ्य एवं सौन्दर्य रक्षा जैसे विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों व हॉबी कक्षाओं का आयोजन करके विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना।

5 विद्यार्थियों में सामाजिक न्याय, जनतांत्रिक व मानवीय मूल्यों, चरित्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की भावना का विकास करना

6 प्राकृतिक प्रकोपों, जानलेवा एवं संक्रामक बीमारियों यथा एड्स, कैंसर, टी.बी., हेपाटाइटिस इत्यादि से पीड़ित मानव व विकलांगों की सेवा एवं सहायता व स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन करना।

प्रमाणित-प्रतिलिपि

रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

अध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

7 पर्यावरण सुरक्षा व संरक्षण हेतु चेतना जागृति कर वानिकी वृक्षारोपण,दुर्लभ वन्यजीवों, पक्षियों, जन्तुओं तथा ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व की धरोहरों व स्थापत्य कला को संरक्षण प्रदान करने जैसे कार्यों का आयोजन करना।

8 आधुनिक एवं लोकतांत्रिक समाज में सदियों से व्याप्त कुप्रथाओं एवं अंधविश्वासों, नशे की प्रवृत्तियों आदि का उन्मूलन कर सुसंस्कारमय सभ्य सामाजिक परिवेश का निर्माण करना

9 संकटग्रस्त बालकों, बाल श्रमिकों, व्यक्तियों, बाल व बन्धुआ मजदूरों व जोखिमपूर्ण उद्योगों, व्यवसायों में कार्यरत श्रमिकों के अधिकारों व हितों की रक्षा कर इनका उत्थान व पुनर्वास करना।

10 ग्रामीण क्षेत्रों में सतत् एवं सर्वांगीण विकास हेतु ग्रामीण प्रौद्योगिकी का उपयोग कर ग्रामीण आवास, ग्रामोद्योग, खाद्य प्रसंस्करण वानस्पतिक औषधियां, बायोगैस उपयोग और हस्तशिल्प जल संरक्षण (जल संग्रहण) बंजर भूमि विकास जैसे कार्यक्रमों के आयोजन व संचालन हेतु राजकीय विभागों अभिकरणों व संगठनों के सहयोग से ग्रामों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास करना

11 शैक्षिक एवं सामाजिक विकास हेतु सर्वेक्षण शोध व अध्ययन करना।

प्रमाणित-प्रतिलिपि

रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति में कोई लाभ निहित नहीं है।

अध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष

4. सदस्यता : निम्न योग्यता रखने वाले व्यक्ति संस्था के सदस्य बन सकेंगे।

1. संस्था के कार्य क्षेत्र में निवास करते हों।
2. बालिग हों।
3. पागल, दिवालिये न हों।
4. संस्था के उद्देश्यों में रुचि व आस्था रखते हों।
5. संस्था के हित को सर्वोपरि समझते हों।



5. सदस्यों का वर्गीकरण : संस्था के सदस्य निम्न प्रकार वर्गीकृत होंगे :-

1-~~संरक्षक~~ 2-~~विशिष्ठ~~
3-~~सम्माननीय~~ 4-साधारण
(जो लागू न हो, उसे काट दीजिये)

6. सदस्यों द्वारा प्रदत्त शुल्क व चन्दा : उपनियम संख्या 4 में अंकित सदस्यों द्वारा निम्न प्रकार शुल्क व चन्दा देय होगा :-

1-संरक्षक	राशि...../.....	वार्षिक/आजन्म
2-विशिष्ठ	राशि...../.....	वार्षिक/आजन्म
3-सम्माननीय	राशि...../.....	वार्षिक
4-साधारण	राशि 1100/-	वार्षिक

उक्त राशि एक मुश्त अथवा रु..... एक मुश्त
की मासिक दर से जमा कराई जा सकेगी।

7. सदस्यता से निष्कासन : संस्था के सदस्यों का निष्कासन निम्न प्रकार किया जा सकेगा :-

1-मृत्यु होने पर
2-त्याग पत्र देने पर
3-संस्था के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने पर
4-प्रबन्धकारिणी द्वारा दोषी पाये जाने पर

8. साधारण सभा : संस्था के उपनियम संख्या 5 में वर्णित समस्त प्रकार के सदस्य मिलकर साधारण सभा का निर्माण करेंगे।

9. साधारण सभा के अधिकार और कर्तव्य : साधारण सभा के निम्न अधिकार और कर्तव्य होंगे।

1- प्रबन्धकारिणी का चुनाव करना।
2- वार्षिक बजट पारित करना।
3- प्रबन्धकारिणी द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करना व पुष्टि करना।
4- संस्था के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से विधान में संशोधन, परिवर्तन अथवा परिवर्द्धन करना।
(जो रजिस्ट्रार के कार्यालय में फाइल कराया जाकर प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त करने पर लागू होगा।)

अध्यक्ष

सचिव

प्रमाणित-प्रतिलिपि
रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

कोषाध्यक्ष

10. **साधारण सभा की बैठकें** :

1- साधारण सभा की वर्ष में एक बैठक अनिवार्य होगी लेकिन आवश्यकता पडने पर विशेष सभा अध्यक्ष/मंत्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी।

2- साधारण सभा की बैठक का कोरम कुल सदस्यों का 1/3 होगा।

3- बैठक की सूचना 7 दिन पूर्व व अत्यावश्यक बैठक की सूचना 3 दिन पूर्व दी जायेगी।

4- कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः 7 दिन पश्चात् निर्धारित स्थान व समय पर आहूत की जा सकेगी। ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की कोई आवश्यकता नहीं होगी लेकिन विचारणीय विषय वही होंगे जो पूर्व एजेन्डा में थे।

5- संस्था के 1/3 अथवा 15 सदस्य इनमें से जो भी कम हो, के लिखित आवेदन करने पर मंत्री/अध्यक्ष द्वारा 1 माह के अन्दर-अन्दर बैठक आहूत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में अध्यक्ष/मंत्री द्वारा बैठक न बुलाये जाने पर उक्त 15 सदस्यों में से कोई भी 3 सदस्य नोटिस जारी कर सकेंगे तथा इस प्रकार की बैठक में होने वाले समस्त निर्णय वैधानिक व सर्व मान्य होंगे।

11. **कार्यकारिणी का गठन** : संस्था के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक प्रबन्धकारिणी का गठन किया जायेगा, जिसके पदाधिकारी व सदस्य निम्न होंगे :-

1. अध्यक्ष–एक
2. उपाध्यक्ष–एक
3. मन्त्री--एक
4. कोषाध्यक्ष–एक
5. सदस्य–सात

(उक्त पदों के अतिरिक्त अन्य पद या पदनाम परिवर्तन किये जावें, तो यहां अंकित करें। कम रखना चाहें तो कम रख लें।)

इस प्रकार प्रबन्धकारिणी में ....4.... पदाधिकारी व ....11.... सदस्य कुल ....15.... सदस्य होंगे।

12. **कार्यकारिणी का निर्वाचन** :

1- संस्था की प्रबन्धकारिणी का चुनाव 2 वर्ष की अवधि के लिए साधारण सभा द्वारा किया जावेगा।

2- चुनाव प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष प्रणाली द्वारा किया जावेगा।

3- चुनाव अधिकारी की नियुक्ति प्रबन्धकारिणी द्वारा की जावेगी।

13. **कार्यकारिणी के अधिकार और कर्तव्य** : संस्था की कार्यकारिणी के निम्नलिखित अधिकार व कर्तव्य होंगे :-

1- सदस्य बनाना/निष्कासित करना।

2- वार्षिक बजट तैयार करना।

3- संस्था की सम्पत्ति की सुरक्षा करना।

4- वैतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना तथा उनके वेतन भत्तों का निर्धारण करना, उन्हें सेवा मुक्त करना।

5- साधारण सभा द्वारा पारित निर्णयों को क्रियान्वित करना।

6- कार्य व्यवस्था हेतु उप समितियां बनाना।

7- अन्य कार्य जो संस्था के हितार्थ हों, करना।

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रमाणित--प्रतिलिपि
रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

अध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष

14. कार्यकारिणी की की बैठकें :

1. कार्यकारिणी की वर्ष में कम से कम 5 बैठकें अनिवार्य होंगी लेकिन आवश्यकता होने पर बैठक अध्यक्ष/मंत्री द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी।
2. बैठक का कोरम प्रबन्धकारिणी की कुल संख्या के आधे से अधिक होगा।
3. बैठक की सूचना प्रायः 7 दिन पूर्व दी जावेगी तथा अत्यावश्यक बैठक की सूचना परिचालन से कम समय में भी दी जा सकती है।

कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः दूसरे दिन निर्धारित स्थान व समय पर होगी। ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन विचारणीय विषय वही होंगे, जो पूर्व एजेण्डा में थे। ऐसी स्थगित बैठक में उपस्थित सदस्यों के अतिरिक्त प्रबन्धकारिणी के कम से कम दो पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। इस सभा की कार्यवाही की पुष्टि आगामी आम सभा में कराना आवश्यक होगा।

15. प्रबन्धकारिणी के पदाधिकारियों के अधिकार व कर्तव्य :

संस्था की प्रबन्धकारिणी के अधिकार व कर्तव्य निम्न प्रकार होंगे :-

1- अध्यक्ष

1-बैठकों को आहूत करना।
2-मत बराबर आने पर निर्णायक मत देना।
3-बैठकें आहूत करना।
4-संस्था का प्रतिनिधित्व करना।
5-संविदा तथा अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना।

2- उपाध्यक्ष :

1-अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष के समस्त अधिकारों का प्रयोग करना।
2-प्रबन्धकारिणी द्वारा प्रदत्त अन्य अधिकारों का उपयोग करना।

3- मन्त्री :

1-बैठकें आहूत करना।
2-कार्यवाही लिखना तथा रिकार्ड रखना।
3-आय-व्यय पर नियन्त्रण करना।
4-वैतनिक कर्मचारियों पर नियन्त्रण करना तथा उनके वेतन या यात्रा बिल आदि पास करना।
5-संस्था की प्रतिनिधित्व करना व कानूनी दस्तावेजों पर संस्था की ओर से हस्ताक्षर करना।
6-पत्र व्यवहार करना।
7-सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु वैधानिक अन्य कार्य जो आवश्यक हों।

4- उपमंत्री :

1-मन्त्री की अनुपस्थिति में मन्त्री पद के समस्त कार्य संचालन करना।
2-अन्य कार्य जो प्रबन्धकारिणी/मन्त्री द्वारा सौंपे जावें।

अध्यक्ष | सचिव | कोषाध्यक्ष

प्रमाणित-प्रतिलिपि
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

5- कोषाध्यक्ष :

1- वार्षिक लेखा-जोखा तैयार करना।

2- दैनिक लेखों पर नियन्त्रण रखना।

3- चन्दा/शुल्क/अनुदान आदि प्राप्त कर रसीद देना।

4- अन्य प्रदत्त कार्य सम्पन्न करना।

16. संस्था का कोष : संस्था का कोष निम्न प्रकार से संचित होगा :

1- चन्दा

2- शुल्क

3- अनुदान

4- सहायता

5- राजकीय अनुदान

1- उक्त प्रकार से संचित राशि किसी राष्ट्रीयकृत सहकारी बैंक में सुरक्षित रखी जायेगी। अध्यक्ष/मन्त्री/कोषाध्यक्ष में से किन्हीं दो पदाधिकारियों के संयुक्त हस्ताक्षरों से बैंक से लेन-देन संभव होगा।

17. कोष सम्बन्धी विशेषाधिकार : संस्था के हित में तथा कार्य व समय की आवश्यकतानुसार निम्न पदाधिकारी संस्था की राशि एक मुश्त स्वीकृत कर सकेंगे।

1- अध्यक्ष.....रु.

2- मन्त्री 50,000/- व अधिकतम रु.

3- कोषाध्यक्ष 30,000/-.....रु.

उपरोक्त राशि का अनुमोदन प्रबंधकारिणी से कराया जाना आवश्यक होगा। अंकेक्षक की नियुक्ति प्रबन्धकारिणी द्वारा की जायेगी।

18. संस्था का अंकेक्षण : संस्था के समस्त लेखों जोखों का वार्षिक अंकेक्षण करया जावेगा।

19. संस्था का विधान में परिवर्तन : संस्था के विधान में आवश्यकतानुसार साधारण सभा के कुल सदस्यों के 2/3 बहुमत से परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन किया जा सकेगा जो राजस्थान रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 12 के अनुरूप होगा।

प्रमाणित--प्रतिलिपि

20. संस्था का विघटन : यदि संस्था का विघटन आवश्यक हुआ, तो संस्था की समस्त चल व अचल सम्पत्ति समान उद्देश्य वाली संस्था को हस्तान्तरित कर दी जावेगी लेकिन उक्त समस्त कार्यवाही राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा 13 व 14 के अनुरूप होगी।

रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग

21. संस्था के लेखे जोखे का निरीक्षण : रजिस्ट्रार संस्थाएं जयपुर .....को संस्था के रिकार्ड का निरीक्षण/जांच करने का पूर्ण अधिकार होगा व उनके द्वारा दिये गये सुझावों की पूर्ति की जावेगी।

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विधान (नियमावली) तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेन्ट संस्था समिति/सोसायटी/संस्था की सही व सच्ची प्रति है।

अध्यक्ष आज दिनांक 16/5/2001 को संशोधित नियम नियमावली पंजकृत की जाती है।

सचिव

कोषाध्यक्ष

संस्था प्रभारी

रजिस्ट्रार संस्थाएं

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

Prof-5

2

22/7/25

सहकारिता विभाग / COOPERATIVE DEPARTMENT

कार्यकारिणी की सूची / EXECUTIVE COMMITTEE LIST

पं. संख्या / REG. NO.- 512/JAIPUR/1994-1995 दिनांक / DATE- 20-03-2025

TILAK INSTITUTE OF EDUCATIONAL AND SOCIAL DEVELOPMENT BASSI जिला जयपुर राजस्थान सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (राजस्थान एक्ट नंबर 28, 1958) के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था है। इस संस्था की परिवर्तित [redacted] अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे राजस्थान सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 की धारा– 4 (1) के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है जिसे संस्था के रिकॉर्ड मे संधारित किया जाता है।

TILAK INSTITUTE OF EDUCATIONAL AND SOCIAL DEVELOPMENT BASSI DISTRICT **Jaipur** IS A REGISTERED INSTITUTION UNDER THE RAJASTHAN SOCIETIES REGISTRATION ACT, 1958 (RAJASTHAN ACT NUMBER 28, 1958) . THE CHANGED EXECUTIVE COMMITTEE OF THE INSTITUTION IS SUBMITTEED BEFORE THE UNDERSIGNED UNDER THE RAJASTHAN SOCIETIES REGISTRATION ACT, 1958 SECTION- 4 (1) WHICH IS FILED IN THE SOCIETY'S RECORD.

Sl. No.	Photo	Name	Gender	Post	Address	DOB
1		Anju Kumari	FEMALE	प्र. का. स.		02/03/1990
2		Ashok Kumar Sharma	MALE	प्र. का. स.		01/01/1973
3		Budhee Prakash Meena	MALE	कोषाध्यक्ष		02/10/1986
4		Deepak Rathore	MALE	प्र. का. स.		03/03/1976
5		Dr Mamta Meena	FEMALE	प्र. का. स.		01/01/1991

प्रमाणित प्रतिलिपि

रीडर

सहायक आयुक्त (प्रथम)

देवस्थान विभाग

जयपुर

Signature valid

Digitally signed by Ranveer Singh Parihar
Designation : REGISTRAR
Date: 2025.03.20 13:34:59 IST
Reason: Approved
Location: Jaipur

Sl. No.	Photo	Name	Gender	Post	Address	DOB
6		Ganga Sahay Meena	MALE	प्र. का. स.		02/07/1964
7		Laxmi Narayan Saini	MALE	प्र. का. स.		12/08/1973
8		Madho Prasad Meena	MALE	सचिव		16/12/1981
9		Manoj Sain	MALE	प्र. का. स.		15/08/1975
10		Narayan Prasad Meena	MALE	अध्यक्ष		28/02/1970
11		Neetu Singh Chouhan	FEMALE	प्र. का. स.		01/09/1986
12		Prem Meena	FEMALE	प्र. का. स.		03/05/1979
13		Rahul Raj Meena	MALE	उपाध्यक्ष		10/08/1995
14		Ramprasad Meena	MALE	प्र. का. स.		11/07/1966
15		Sona Sharma	FEMALE	प्र. का. स.		11/04/1986

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

नोट– इसे रजिस्ट्रार द्वारा शासी निकाय / GOVERNING BODY की वैधानिकता का अनुमोदन नहीं माना जावे ।

प्रमाणित–प्रतिलिपि

रीडर

सहायक आयुक्त (प्रथम)

देवस्थान विभाग

जयपुर

Signature valid

Digitally signed by Ranveer Singh Parihar
Designation : REGISTRAR
Date: 2025.03.20 13:34:59 IST
Reason: Approved
Location: Jaipur

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर संभाग, जयपुर

पीठासीन अधिकारी –रतनलाल योगी (आर.ए.एस.) दिनांक 22/8/25

पत्रावली संख्या 177 / 2025

पंजियनः–**तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट**
खादी ग्रामोद्योग सघन विकास समिति के सामने, ग्राम पोस्ट बस्सी, जयपुर
अन्तर्गत राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959

निर्णय

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है। प्रार्थी श्री माधो प्रसाद मीणा पुत्र श्री शंकर लाल मीणा निवासी हनुमान मन्दिर के पास, 241 शंकर पटेल की ढाणी, जामडोली, जयपुर राजस्थान ने प्रन्यास "तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट" कार्यालय का पता–खादी ग्रामोद्योग सघन विकास समिति के सामने, ग्राम पोस्ट बस्सी, जयपुर का पंजीयन कराने हेतु राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 के नियम 17(2) के अन्तर्गत प्रपत्र संख्या 6 भर कर प्रस्तुत किया। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र संख्या 6 दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रन्यास में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों की व्यापक जानकारी हेतु राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अन्तर्गत प्रपत्र संख्या 7 में नोटिस जारी किये गये। वर्णित नोटिस का प्रकाशन राष्ट्रदूत जयपुर समाचार पत्र में दिनांक 11.05.2025 को प्रकाशित अंक में हुआ। आपत्ति एवं उज्रदारी प्रस्तुत करने की निर्धारित अवधि 60 दिवस में किसी की कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई।

न्यास की ओर से न्यासी प्रार्थी श्री माधो प्रसाद मीणा ने शपथ पत्र पेश कर अपनी साक्ष्य दर्ज कराई।

प्रन्यास के पंजीयन हेतु प्रार्थी द्वारा निम्न अभिलेख (दस्तावेंजात) प्रस्तुत कियेः–

1. प्रन्यास का राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 के अन्तर्गत पंजीयन हेतु प्रस्तुत प्रपत्र संख्या–6 प्रदर्श–1
2. संस्था का पंजीकृत प्रमाण–पत्र की प्रति प्रदर्श–2ए
3. प्रन्यास संशोधित संघ–विधान की प्रति प्रदर्श–3
4. प्रन्यास संघ–विधान (नियमावली) का तुलनात्मक स्टेटमेंट दिनांक 20.08.2017 की प्रमाणित प्रति प्रदर्श–4
5. संस्था की कार्यकारिणी की सूची प्रदर्श–5
6. प्रन्यास का संशोधित विधान प्रदर्श–6
7. प्रन्यास की बैठक कार्यवाही प्रस्ताव की प्रति प्रदर्श–7ए
8. प्रन्यास कार्यालय पते का बिजली का बिल प्रदर्श–8ए
9. आराजी खसरा संख्या 1584 पुराना खसरा नम्बर 1088, जेडीए पट्टा क्षेत्रफल 1245.83 वर्ग मीटर है जो एच.डी.एफ.सी. बैंक में रहन/गिरवी रखी हुई सम्पदा का बैंक द्वारा जारी पत्र प्रदर्श–9
10. ग्राम बस्सी, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में स्थित कृषि भूमि खाता संख्या नये 185, पुराना 145 आराजी खसरा नम्बर 1585 कुल किता 1 रकबा 0.2100 हैक्टेयर का विकय पत्र की छायां प्रति प्रदर्श–10ए
11. इकरारनामा बाबत बेचान ग्राम बस्सी, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में स्थित पंचायत रैगर समाज बस्सी की आवासीय योजना खसरा नम्बर 1583 में स्थित

प्रमाणित–प्रतिलिपि
रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

एक भूखण्ड जिसका कुल क्षेत्रफल 249.55 वर्ग गज भूमि की छायां प्रति प्रदर्श–11ए

12. अखबार में नोटिस प्रकाशन की प्रति प्रदर्श–12

13. खसरा नंबर 1584 व 1585 की जमाबन्दी की छायां प्रति।

प्रकरण में प्रन्यास की ओर से प्रन्यासी श्री माधो प्रसाद मीणा की एक पक्षीय बहस सुनी गई। प्रार्थी पक्ष की साक्ष्य एवं प्रस्तुत अभिलेखो के आधार पर निम्नानुसार निष्कर्ष अभिलिखित किया जाता है :–

1. प्रन्यास "महारानी लक्ष्मीबाई बालिका शिक्षा समिति" का गठन दिनांक 28.02.1995 को संघ विधान पत्र व नियमावली निष्पादित कर सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम अधिनियम 1958 के अन्तर्गत पंजीकृत करवाया गया। जिसका सोसायटी विभाग का पंजीयन कमांक 512/जयपुर/1994–95 दिनांक 28.02.1995 है। उक्त प्रन्यास का नाम दिनांक 07.09.2017 को परिवर्तित कर "तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट" किया गया। यह प्रन्यास "तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट" के नाम से जाना व पुकारा जावेगा।
2. प्रन्यास का कार्यालय– खादी ग्रामोद्योग सघन विकास समिति के सामने, ग्राम पोस्ट बस्सी, जयपुर है। उक्त कार्यालय सम्पदा प्रन्यास के स्वामित्व की सम्पदा है (प्रदर्श–9) प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि भविष्य में प्रन्यास कार्यालय के परिवर्तन होने पर इस कार्यालय में सूचना भिजवाई जावें। उक्त कार्यालय जयपुर में होने से इस कार्यालय के क्षेत्राधिकार में है।
3. इस प्रन्यास के गठन का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से पिछड़े ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में अवसर की समानता के सिद्धान्त के आधार पर प्रत्येक को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विद्यालय, महाविद्यालय, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओ व अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों, आवासीय एवं विशेष विद्यालय की स्थापना एवं प्रबन्धन करना आदि। विस्तृत विवरण विधान नियमावली (प्रदर्श–3) के बिन्दु संख्या 3 में वर्णित अनुसार है।
4. प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत कार्यकारिणी सूची (प्रदर्श–5) के अनुसार इस प्रन्यास के वर्तमान में निम्न प्रन्यासी होगें–

1	नारायण प्रसाद मीना	अध्यक्ष
2	राहुलराज मीना	उपाध्यक्ष
3	माधो प्रसाद मीणा	सचिव
4	बुद्धि प्रकाश मीना	कोषाध्यक्ष
5	अंजु कुमारी	सदस्य
6	डॉ. अशोक कुमार शर्मा	सदस्य
7	दीपक राठौड़	सदस्य
8	डॉ. ममता मीना	सदस्य
9	गंगा सहाय मीना	सदस्य
10	लक्ष्मी नारायण सैनी	सदस्य
11	डॉ. मनोज सैन	सदस्य
12	डॉ. नीतू सिंह चौहान	सदस्य
13	प्रेम मीना	सदस्य
14	रामप्रसाद मीना	सदस्य
15	सोना शर्मा	सदस्य

प्रमाणित–प्रतिलिपि

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

इस प्रन्यास के प्रन्यासियों के उत्तराधिकार की विधि :–

प्रन्यास के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक प्रबन्धकारिणी का गठन किया जायेगा। प्रबन्धकारिणी में 4 पदाधिकारी व 11 सदस्य कुल 15 सदस्य होंगे। प्रबन्धकारिणी का चुनाव 3 वर्ष की अवधि के लिए साधारण सभा द्वारा किया जावेगा। विस्तृत विवरण संशोधित संघ विधान पत्र (प्रदर्श–3) के बिन्दु संख्या 11 व 12 में वर्णित अनुसार है।

6 प्रन्यास की चल–अचल सम्पत्ति का ब्यौरा निम्नानुसार है –

(i) चल सम्पतिः–

प्रन्यास में प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत बैलेंस शीट दिनांक 31.03.2024 के अनुसार रोकड़ हस्ते 26,211.00/–रूपये व बैंक में 1,736,937.76/–रूपये जमा बताये है। प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि भविष्य में न्यास निधि प्राप्त होने पर न्यास के बैक खाता में जमा करावे साथ ही भविष्य में प्राप्त चल सम्पत्ति (दान/ब्याज आदि) को भी न्यास खाते में जमा करावे।

(ii) अचल सम्पतिः–

इस प्रन्यास की वर्तमान में अचल सम्पत्ति निम्न प्रकार है–

1. आराजी खसरा संख्या 1584 पुराना खसरा नम्बर 1088, जेडीए पट्टा क्षेत्रफल 1245.83 वर्ग मीटर है। उक्त भूमि एच.डी.एफ.सी. बैंक में रहन/गिरवी रखी हुई है (प्रदर्श–9)
2. ग्राम बस्सी, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में स्थित कृषि भूमि खाता संख्या नये 185, पुराना 145 आराजी खसरा नम्बर 1585 कुल किता 1 रकबा 0.2100 हैक्टेयर भूमि जरिये सचिव श्री माधो प्रसाद मीना, तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट द्वारा क्रय की गयी है उक्त विक्रय पत्र उप पंजियक बस्सी जयपुर के यहां पंजिकृत कराया गया है (प्रदर्श–10ए)
3. इकरारनामा बाबत बेचान ग्राम बस्सी, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में स्थित पंचायत रैगर समाज बस्सी की आवासीय योजना खसरा नम्बर 1583 में स्थित एक भूखण्ड जिसका कुल क्षेत्रफल 249.55 वर्ग गज भूमि (प्रदर्श–11ए) प्रार्थी द्वारा इस खसरे का इकरारनामा प्रस्तुत किया है। उक्त निष्पादित इकरारनामा नियमानुसार पंजिकृत नहीं करवाया गया है। अतः उक्त सम्पदा प्रन्यास की सम्पदा नहीं मानी जावेगी। प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि वे उक्त सम्पदा का नियमानुसार पंजीयन करवा दस्तावेज कार्यालय में पेश करें। प्रार्थी द्वारा एच.डी.एफ.सी. बैंक द्वारा जारी पत्र के अनुसार आराजी खसरा संख्या 1584 पुराना खसरा नम्बर 1088, जेडीए पट्टा क्षेत्रफल 1245.83 वर्ग मीटर अचल सम्पदा एच.डी.एफ.सी. बैंक में रहन/गिरवी रखी हुई है (प्रदर्श–9)। प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि यदि प्रन्यास द्वारा अन्य अचल सम्पत्ति सृजित की जाती है तो उसे प्रन्यास के नाम दर्ज अभिलेख कराया जावे।

7. प्रार्थी द्वारा संस्था की अंकेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि न्यास की आय व्यय का अंकेक्षण करा अंकेक्षण रिपोर्ट प्रतिवर्ष इस कार्यालय को प्रस्तुत की जावे।

8 प्रन्यास के आय के स्त्रोत दान, चन्दा व जमा पर ब्याज इत्यादि है।

पत्रावली का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत अभिलेख, साक्ष्य से स्पष्ट है कि "तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट" एक सार्वजनिक प्रन्यास है

प्रमाणित–प्रतिलिपि

रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर

राजस्थान सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के पंजीकृत संस्था है। राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 की धारा 2(11) के तहत किसी धार्मिक या पुणयार्थ प्रयोजन हेतु निर्मित सोसायटी का भी न्यास पंजीयन किये जाने का प्रावधान है। उक्त संस्था पुण्यार्थ प्रयोजन हेतु गठित है जो राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (1) के बिन्दूओं की मशा पूर्ण करता है। अतः राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 19 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए "तिलक इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशनल एण्ड सोशियल डवलपमेंट" का पंजीयन किये जाने का आदेश दिया जाता हैं। प्रार्थी द्वारा खसरा नम्बर 1583 में स्थित एक भूखण्ड जिसका कुल क्षेत्रफल 249.55 वर्ग गज भूमि (प्रदर्श–11ए)। उक्त निष्पादित इकरारनामा नियमानुसार पंजिकृत नहीं करवाया गया है। अतः उक्त सम्पदा प्रन्यास की सम्पदा नहीं मानी जावेगी। प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि वे उक्त सम्पदा का नियमानुसार पंजीयन करवा दस्तावेज कार्यालय में पेश करें।

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार प्रन्यास की अचल सम्पदा प्रदर्श–9, प्रदर्श–10ए। प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि प्रदर्श–9 की रहन रखी गई सम्पदा को रहन मुक्त करवा नियमानुसार सूचना इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। प्रार्थी द्वारा न्यास के पक्ष में प्रस्तुत भूमि/सम्पदा से सम्बंधित दस्तावेजात की वैधानिकता और स्वामित्व की जांच नहीं की गई है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजातों के संबंध में कोई विधि विरूद्व दस्तावेज पाये जाते है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी प्रार्थी न्यास हितधारियों की होगी और इससे न्यास के कोई हक सृजित नहीं होगें। उक्त वर्णित समस्त चल व अचल सम्पत्तियों के संबंध में किसी भी प्रकार का न्यायिक/अर्द्वन्यायिक विवाद होने पर उसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रार्थी न्यास/संस्था हितधारियों की होगी। प्रन्यास द्वारा भविष्य में प्रन्यास की किसी सम्पदा बय/बेचान/रहन/गिरवी रखने से पूर्व राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही की जावें। उक्त सम्पदा का उपयोग व उपभोग प्रन्यास के हित में किया जावेगा। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों में किसी प्रकार की कोई असत्यता पाये जाने अथवा गलत तथ्य प्रस्तुत किया जाना पाये जाने पर इस कार्यालय द्वारा प्रार्थी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों में किसी प्रकार की कोई असत्यता पाये जाने अथवा गलत तथ्य प्रस्तुत किया जाना पाये जाने पर इस कार्यालय द्वारा प्रार्थी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। अधिनियम की धारा 21 के अन्तर्गत प्रपत्र संख्या एक में इन्द्राज किया जावे। नियम 19 के अन्तर्गत पंजीयन प्रमाण पत्र कार्यवाहक प्रन्यासी को जारी किया जावे। निर्णय की एक प्रतिलिपि कार्यालय हाजा बोर्ड पर पर चस्पा की जावे। मिसल बाद मुकम्मिल तकमील फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय आज दिनांक 22/8/25 को खुले रूप में सुनाया गया।

प्रमाणित प्रतिलिपि
रीडर
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग

रतनलाल योगी (आर.ए.एस)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग
जयपुर